कृषि विज्ञान केंद्रों पर 11 हेक्टेयर में हो रही है प्राकृतिक खेती

कुलपति डॉ. आनन्द कुमार सिंह।

प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता, ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन का कम होने से बढ़ेगी किसानों की आय

कानपुर, 4 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की टीम सिर्फ किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक नहीं कर रहे हैं बल्कि उनके लिए जैविक बीज भी तैयार कर रहे हैं। विवि से जुड़े कृषि विज्ञान केंद्रों में 11 हेक्टेयर में जैविक खेती की जा रही है। यह जानकारी विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने दी। उन्होंने कहा जैविक खेती से कुपोषण से भी मुक्ति मिलेगी। साथ ही किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी।

आज वैज्ञानिकों के साथ सीएसए के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने एक बैठक की। बैठक में कुलपति कहा कि वैज्ञानिकों की तकनीक गांव-गांव यानि किसानों तक पहुंचनी चाहिए। किसानों को जागरूक करने के लिए सभी कृषि विज्ञान केंद्र जैविक खेती कर एक मॉडल प्रस्तुत करें। जिसके माध्यम से किसानों को समझाना आसान होगा। क्योंकि किसानों के बीच जैविक खेती को लेकर अनेक तरह की भ्रांतियां फैली हैं। खेतों में देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से बनने वाला जीवामृत, वीजामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, घनजीवामृत आदि का उपयोग करना चाहिये। वैज्ञानिक डॉ. आर.के. यादव ने बताया कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण स्वास्थ्य की बहाली, ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन का निम्नीकरण जैसे लाभ भी होंगे।

सीएसए और कृषि विवि मेरठ ने हाथ मिलाया

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर एवं सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह हस्ताक्षर सीएसए कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के कुलपति डॉक्टर के के सिंह के मध्य हुए हैं। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने समझौता ज्ञापन के बारे में बताया कि सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ की अनुसंधान, प्रसार और शिक्षण सुविधाओं का उपयोग करने में सक्षम होंगे। कुलपति ने बताया की नई शिक्षा नीति 2020 के तहत अंतः अनुशानिक के तहत यह समझौता पत्र हुआ है।इसके तहत दोनों विश्वविद्यालयों में विद्यमान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, शिक्षण एवं शोध सुविधाओं का आपस में उपयोग कर सकेंगे। इस समझौता के तहत दोनों विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक ज्ञान व सूचना का आदान प्रदान होगा। विश्वविद्यालय की ओर से विकसित प्रौद्योगिकी दोनों संस्थान प्रसारित करेंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालयों के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। जिससे प्रदेश में कृषि के क्षेत्र में,(शिक्षण,शोध एवं प्रसार) नए आयाम स्थापित होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्या, कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय एवं निदेशक शोध डॉ पी के सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 15 अंक : 38 कानपुर, शनिवार 05 अगस्त 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

aswaroop.in

हार के साथ सिंधू आस्ट्रेलिया ओपन से बाहर 10

कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

कानपुर । सीएसए एवं सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह हस्ताक्षर सीएसए कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के कुलपति डॉक्टर के के सिंह के मध्य हुए हैं। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने समझौता ज्ञापन के बारे में बताया कि सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ की अनुसंधान, प्रसार और शिक्षण सुविधाओं का उपयोग करने में सक्षम होंगे। कुलपति ने बताया की नई शिक्षा नीति 2020 के तहत अंतः अनुशानिक के तहत यह समझौता पत्र हुआ है इसके तहत दोनों विश्वविद्यालयों में विद्यमान

प्रयोगशाला, पुस्तकालय, शिक्षण एवं शोध सुविधाओं का आपस में उपयोग कर सकेंगे। इस समझौता के तहत दोनों विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक ज्ञान व सूचना का आदान प्रदान होगा। विश्वविद्यालय की ओर से विकसित प्रौद्योगिकी दोनों संस्थान प्रसारित करेंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालयों के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। जिससे प्रदेश में कृषि के क्षेत्र में,(शिक्षण,शोध एवं प्रसार) नए आयाम स्थापित होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्या कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय एवं निदेशक शोध डॉ पी के सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीएसए और कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के मध्य एमओयू हुआ साइन

(आज समाचार सेवा)
कानपुर, 4 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर एवं सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह हस्ताक्षर सीएसए कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के कुलपति डॉ के. के. सिंह के मध्य हुए हैं। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने समझौता ज्ञापन के बारे में बताया कि सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ की अनुसंधान, प्रसार और शिक्षण सुविधाओं का उपयोग करने में सक्षम होंगे। कुलपति ने बताया की नई शिक्षा नीति 2020 के तहत अंत अनुशानिक के तहत यह समझौता पत्र हुआ है।इसके तहत दोनों विश्वविद्यालयों में विद्यमान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, शिक्षण एवं शोध सुविधाओं का आपस में उपयोग कर सकेंगे। इस समझौता के तहत दोनों विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक ज्ञान व सूचना का आदान प्रदान होगा। विश्वविद्यालय की ओर से विकसित प्रौद्योगिकी दोनों संस्थान प्रसारित करेंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालयों के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। जिससे प्रदेश में कृषि के क्षेत्र में,(शिक्षण,शोध एवं प्रसार) नए आयाम स्थापित होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्या, कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय एवं निदेशक शोध डॉ पी के सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

समझौते के तहत प्रयोगशाला पुस्तकालय, शिक्षण एवं शोध सुविधाओं का उपयोग कर सकेंगे

दैनिक जागरण कानपुर 05/08/2023

सीएसए का मेरठ कृषि विश्वविद्यालय से करार

जासं, कानपुर : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर और सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ के बीच शुक्रवार को शैक्षिक समझौता ज्ञापन हुआ है। ज्ञापन पत्र पर सीएसए कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. केके सिंह ने हस्ताक्षर किया। सीएसए कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय का अब प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षिक करार हो चुका है।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 38 कानपुर, शनिवार 05 अगस्त 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

aswaroop.in

हार के साथ सिंधू आस्ट्रेलिया ओपन से बाहर 10

कृषि विज्ञान केंद्रों पर 11 हेक्टेयर में हो रही प्राकृतिक खेती

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर गौ आधारित प्राकृतिक खेती विभिन्न फसलों

पर की जा रही है। डॉ सिंह ने बताया कि इस विधि से किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इस विधि में देसी गाय के गोबर और गोमूत्र से बनने वाला जीवामृत, वीजामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, घनजीवामृत आदि बनाकर खेती में प्रयोग किया जाता है।जो पोषक तत्वों की फसलों को पूर्ति करते हैं।और जैविक कीटनाशकों के रूप में भी प्रयोग किए जाते हैं जिसे कीट एवं रोग फसल में नहीं लगते हैं। उन्होंने कहा कि इस विधि द्वारा पोषक तत्वों से भरपूर फसल उत्पादन किया जाता है।निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने बताया कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को मिलाकर लगभग 11 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर आधारित प्राकृतिक खेती वैज्ञानिक कर रहे हैं। जो किसानों के लिए मॉडल के रूप में कार्य कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लि.
ई-निविदा सूचना
निम्नलिखित ई-निविदा जिनका संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है। ई-निविदा की वेबसाइटwww.etender.up.nic.in पर अपलोड कर दी गयी है:-

हिंदुस्तान कानपुर 05/08/2023

सीएसए व मेरठ करेंगे तकनीक पर शोध

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। किसानों की उन्नति के लिए सीएसए) और सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ मिलकर काम करेंगे। इससे छात्र-छात्राओं को दोनों विवि की लैब में शोध करने का मौका मिलने के साथ साथ विकसित हो रही तकनीक की जानकारी मिलेगी। दोनों विवि के वैज्ञानिक भी मिलकर शोध कर सकेंगे।

■ दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के बीच हुआ एमओयू

सीएसए विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह और मेरठ कृषि विवि के कुलपति डॉ. केके सिंह ने वर्चुअल माध्यम से शुक्रवार को एमओयू किया। डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कहा कि अनुसंधान, प्रसार और शिक्षण सुविधाओं का दोनों विवि साझा करेंगे। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा व सुविधाएं देने के लिए प्रदेश के सभी विवि आपस में समझौता कर रहे हैं। इस मौके पर डॉ. सीएल मौर्या, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. पीके सिंह रहे।

कानपुर विकास प्राधिकरण

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुखलाल पुत्र स्व0 चन्दूलाल द्वारा पंजीकृत वसीयत की सत्यापित प्रति, मृत्यु प्रमाण पत्र व शपथ आदि प्रस्तुत कर भूखण्ड संख्या ए–59 पाकेट–बी, योजना हाईवे सिटी क्षेत्रफल 240.00 व0मी0 का वसीयत के आधार पर अपने पक्ष में नामान्तरण किये जाने का अनुरोध किया गया है उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि प्रधिकरण द्वारा भूखण्ड संख्या ए–59 पाकेट–बी, योजना हाईवे सिटी क्षेत्रफल 240.00 व0मी0 का आवंटन दिनांक 09.11.2009 को श्री चन्दूलाल पुत्र श्री थोवन लाल के पक्ष में किया गया। मूल आवंटी श्री चन्दूलाल पुत्र श्री थोवन लाल द्वारा अपने जीवन काल में एक पंजीकृत वसीयत दिनांक 30.12.2009 को निष्पादित की गयी, जिसके अनुसार उनकी मृत्यु उपरान्त उक्त भूखण्ड एक मात्र मालिक/काबिज उनके पुत्र श्री सुखलाल पुत्र स्व0 चन्दूलाल होगें। प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार श्री चन्दूलाल पुत्र श्री थोवन लाल की मृत्यु दिनांक 07.12.2017 को हो चुकी है। अतः श्री सुखलाल पुत्र स्व0 चन्दूलाल द्वारा उक्त भूखण्ड का वसीयत के आधार पर नामान्तरण अपने पक्ष में किये जाने का अनुरोध किया है। जिनके अनुसार श्री सुखलाल पुत्र स्व0 चन्दूलाल के पक्ष में वसीयत के आधार पर नामान्तरण किया जाना है। उक्त नामान्तरण के सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन के 30 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति सप्रमाण अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय (विक्रय जोन–4) में प्रस्तुत कर दे, निर्धारित अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में उक्त भवन का नामान्तरण आवेदक के पक्ष में किये जाने की कार्यावाही अमल में लाई जायेगी तथा इसके पश्चात किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव न होगा।

अर्चना अग्निहोत्री, उपजिलाधिकारी (विक्रय जोन–4)

ARMY PUBLIC SCHOOL KANPUR

(Affiliated to CBSE) English Medium
Near Civil Aerodrome, Kanpur Cantt - 208004
Helpline Phone No. 7525066989 from (0900h to 1500h)
(School website apskanpur.com)

1. Army Public School Kanpur invites applications for the following post (for the session 2023-24) as under :-
   (a) Head Master / Head Mistress (b) Counsellor (Psychological)
   (c) PGT (Physics)
2. Application form and requisite qualification details can be obtained from **School website www.apskanpur.com.** Application forms along with DD for Rs 100/-(Non Refundable) in favour of Army Public School Kanpur and copies of all educational and experience certificates duly self-attested must be submitted to **the above mentioned address on or**

कृषि मंत्री आज करेंगे सीएसए विवि में समीक्षा

कानपुर। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही पांच अगस्त, शनिवार को शहर में रहेंगे। वे चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) सुबह 11 बजे से सभी संकाय प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद कृषि मंत्री विवि परिसर में स्थित विभिन्न फार्मों का निरीक्षण भी करेंगे।

जैविक बीज तैयार कर रहा सीएसए

कानपुर। सीएसए के वैज्ञानिकों की टीम सिर्फ किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक नहीं कर रही, बल्कि उनके लिए जैविक बीज भी तैयार कर रही है। विवि से जुड़े कृषि विज्ञान केंद्रों में 11 हेक्टेयर में जैविक खेती हो रही है। यह जानकारी विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने दी। कहा, जैविक खेती से कुपोषण से भी मुक्ति मिलेगी।

विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने शुक्रवार को सभी वैज्ञानिकों के साथ बैठक की। डॉ. आरके यादव ने बताया कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण स्वास्थ्य की बहाली, ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन का निम्नीकरण जैसे लाभ भी होंगे।

WORLD खबर एक्सप्रेस

सीएसए व कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के मध्य समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर एवं सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह हस्ताक्षर सीएसए कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के कुलपति डॉक्टर के के सिंह के मध्य हुए हैं। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने समझौता ज्ञापन के बारे में बताया कि सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ की अनुसंधान, प्रसार और शिक्षण सुविधाओं का उपयोग करने में सक्षम होंगे। कुलपति ने बताया की नई शिक्षा नीति 2020 के तहत अंतः अनुशानिक के तहत यह समझौता पत्र हुआ है। इसके तहत दोनों विश्वविद्यालयों में विद्यमान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, शिक्षण एवं शोध सुविधाओं का आपस में उपयोग कर सकेंगे। इस समझौता के तहत दोनों विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक ज्ञान व सूचना का आदान प्रदान होगा। विश्वविद्यालय की ओर से विकसित प्रौद्योगिकी दोनों संस्थान प्रसारित करेंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि प्रदेश के चारों कृषि विश्वविद्यालयों के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। जिससे प्रदेश में कृषि के क्षेत्र में,(शिक्षण,शोध एवं प्रसार) नए आयाम स्थापित होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्या, कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय एवं निदेशक शोध डॉ पी के सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

www.jagran.com
दैनिक जागरण कानपुर 05/08/2023

एक नजर में

किसानों को जैविक खेती के लिए बीज भी देगा सीएसए

कानपुर : सीएसए विश्वविद्यालय के विज्ञानी जैविक खेती के लिए किसानों को जैविक फसलों के बीज भी उपलब्ध कराएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय से जुड़े कृषि विज्ञान केंद्रों में 11 हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती की जा रही है। जैविक खेती के लाभ से किसान पूरी तरह परिचित नहीं हैं। जैविक खेती की भ्रांतियों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। जासं

अमर उजाला कानपुर 05/08/2023

मिलकर काम करेंगे सीएसए व मेरठ विवि

कानपुर। सीएसए और सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ के साथ मिलकर किसानों को उन्नत बनाने की दिशा में काम करेंगे। छात्रों को दोनों विवि की लैब में शोध करने का मौका मिलेगा। दोनों विवि के वैज्ञानिक भी मिलकर शोध कर सकेंगे। सीएसए के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह और मेरठ कृषि विवि के कुलपति डॉ. केके सिंह ने शुक्रवार को वर्चुअल माध्यम से एमओयू किया। डॉ. आनंद ने कहा कि अनुसंधान, प्रसार और शिक्षण सुविधाओं को दोनों विवि साझा करेंगे। इस मौके पर मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान, डॉ. सीएल मौर्या, डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. पीके सिंह आदि मौजूद रहे। (संवाद)